Bh 2194 (57)

हकीकत ✓१९९२

(नगीनाबाडी)

मिति आसोज सुद ६ ✓ १९९२

से

आषाढ़ सुद १५ ✓ १९९२ तक

(महाराणा जी श्री भोपालसिंहजी)

पृष्ठ संख्या १ से २५७ तक

मीगसर वदी १० बुदेता. ११

परजाते छेजगुरुजीजी हुजुर अरजीकीहै चीतरजी हररसतकर छाया मोनला
हाबनु बोचघेहा तमुडाऊजलो करपोसाक बारड़ानुई सलोढारी जसीग

बीको हुजुरडी पंजाबी

२०-११ प्रीताजमुजलाऐजेकर आशरोगनामेद छठे केबीराजनामसे जो 42
१८३४ई परबातडोजीमहाआशरोगा बादबीराज वेरट डीसन मीपरताप
२८८८ चदीतर जनाजोसोमाजुमडीहीप्रेरमालीसहुई बादलेजेपदार
सुजडुपो=पाडीहै से अपोड़ीहीबीराजा दोपरीको जीमहाअरोग्यक
हमेड्मेजासडी ड्रामदु बोपछेसु जडु बोहरे जमीन करपोसाकपा
रड़ानुई अरनारजदाकदबाबारड़ानुई बादबबंईडीमोटरडोऐजेन
रमोनलाललसीगजीजोदपुरको जाणो नजरकरी सोमादराजीनेढा
बलदेडीदा= मनोसमीमजीगोड़ाजरीदबागवाकोहाजीरदु बाबाज
रहीसोमादराजीनेढाबलकरीहदे करे अगोदोपछु पड़ाअगरकी
डोकेनीघरागाकरसाड़ीप्यारबज तामरा मजमनबारपेपागड़ादीहत
नीपदारमोटरअनवारपे सबोरबागगोदामसुरजपोलबेहोट अप।
सबेआएडे. वैईसहरैस नपरपदारपाघपातापरबे सुरजपोलबेबाग
मेबेपागड़ारीहत नीचदारतामजाम अनबारपेडुड़ागीघछेजपीत

मगसर विद 10 बुधे सवंत् 1992 तारीख 20.11.1935

मोनलाल सींगी जोदपुर को पगे लागो

परबाते छे बजया श्री जी हजुर अपोडी हो चीत्र का दरसण कर छायादान हुवो पछे हात मुंडा ऊजला कर पोसाक धारण हुई सलोका री कीताब मुलाएजे कर चा अरोग नाम रे बेठके बीराजया नाम ले परबात को जीमण अरोगया बाद बीराजया बारेट कीसन जी परताप चरीतर बनायो सो मालुम कीदो फेर मालीस हुई बाद ढोले पदार सुख हुवो –थोड़ी देर से अपोड़ी हो बीराजया दोपेरा को जीमण अरोगया बाद मेकमे खास को काम हुवो पछे सुख हुवो फेर अंगोलयो कर पोसाक धारण हुई चरनार बंदा के दवा धारण हुई बाद बंबई की मोटर को एजेंट मोन लाल सींगवी जोदपुर को आयो नजर करी सो माफ राखी नोछावल दो कीदा –अनोप सीग जी घोड़ा खरीद वा गया सो हाजीर हुवा नजर करी सो माफ राखी नोछावल करी फेर लेरया केस अंगोछो पछेवड़ी अगरखी कोट ऊनी धारण कर साड़ी चार बजया तामजाम असवार वे पागड़ा री हतनी पदार मोटर असवर वे समोर बाग गोदाम सुरज पोल वे होटल पास वे आऐड़ वे ईसटेसन पर पदार पाछा पुला पर वे सुरज पोल वे बाग मे वे पागड़ा री हतनी पदार तामजाम असवार वे पुणी छे बजया पीतम नीवास.....